वर्ष 2012-13 के लिए कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड की वार्षिक लेखा की समीक्षा।

1. पृष्ठभूमिः

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रेल मंत्रालय (51%), महाराष्ट्र (22%), कर्नाटक (15%), केरल (6%) और गोवा (6%) इक्विटी भागीदारी के साथ भारत के पश्चिमी तटीय यानी रोहा से मैंगलोर तक 741 की.मी.लंबाई की रेलवे लाइन निर्माण कार्य के उद्देश्य से 1990 में स्थापित किया गया था। निर्माण चरण के दौरान कॉर्पोरेशन ने सुरंगों, पुलों और रेल लाइनों के निर्माण कार्यों में व्यापक अनुभव प्राप्त किया और इस व्यापक अनुभव का उपयोग करते हुए बड़ी परियोजनाओं के निर्माण कार्य भी हासिल किए।

2. वित्तीय कार्य निष्पादनः

क) कॉर्पोरेशन ने पिछले वर्ष के कुल राजस्व 1,001 करोड़ रुपए (रुपए एक हजार एक करोड़ केवल) से कुल राजस्व 1136 करोड़ रुपए (रुपए एक हजार एक सौ छतीस करोड़ केवल) बढ़ाया है। कॉर्पोरेशन ने वर्ष के दौरान परिचालन अधिशेष से 128 करोड़ रुपए अर्जित किए हैं। वर्ष 2011-12 में 82.12 % की तुलना में चालू वर्ष में कर्मचारियों के खर्च में वृद्धि, ईंधन और किराया प्रभारों आदि में वृद्धि के कारण परिचालन अनुपात 95% रहा है। कॉर्पोरेशन का वर्ष 2012-13 के अंत में निवल मूल्य 1340 करोड़ रुपए (रुपए एक हजार तीन सौ चालिस करोड़ केवल) रहा है।

ख) कॉर्पोरेशन ने कर्मचारियों के लाभ के संबंध में पहले के वर्षों के प्रति पेंशन दायित्व 139.92 करोड़ रुपए (रुपए एक सौ उनतालीस करोड़ और बानवे लाख केवल) का प्रावधान किया है। कॉर्पोरेशन ने इन अचल परिसंपत्तियों के स्काई बस (23.34 करोड़ रुपए) और टक्कर रोधी उपकरण (8.82 करोड़ रुपए) के आर्थिक कार्य निष्पादन के आधार पर क्षति के रूप में अचल परिसंपत्तियों के अपरिशोधित मूल्य 32.16 (रुपए बत्तीस करोड़ और सोलह लाख केवल) करोड़ रुपए की हानि का निर्णय लिया गया है। इस प्रकार असाधारण आइटम 172.08 करोड़ रुपए (रुपए एक सौ बहतर करोड़ और आठ लाख केवल) के रहे हैं। इन कारणों से कॉर्पोरेशन की शुद्ध हानि 235.41 करोड़ रुपए (रुपए एक सौ पैंतीस करोड़ और इकतालीस लाख केवल) हुई है।

ग) कॉर्पोरेशन ने अपने परिचालन अधिशेष से वर्ष 2012-13 के दौरान 73.30 करोड़ रुपए के बांड्स का विमोचन और 131.60 करोड़ रुपए बॉन्ड पर ब्याज का भुगतान किया है। कॉर्पोरेशन पर 31 मार्च, 2013 की स्थिति के अनुसार ऋण दायित्व 1,667 करोड़ रुपए है। चालू वित्तीय वर्ष में कॉर्पोरेशन अपने आंतरिक संसाधनों से बांड्स पर 500 करोड़ रुपए से अधिक का विमोचन और ब्याज देनदारियों को पूरा करने में सक्षम नहीं हो सकता है। इसलिए वर्ष 2013-14 के दौरान 400 करोड़ रुपए की सीमा तक के बांड्स जारी या फिर से जारी करने के लिए प्रस्तावित है।

3. परिचालन कार्य निष्पादन :

क) गाड़ी परिचालन

कोंकण रेलवे पर वर्ष के दौरान मेल/एक्सप्रेस की औसतन 33 जोड़ी, यात्री गाड़ियों की 5 जोड़ी और रोल-ऑन रोल-ऑफ (रो-रो) सहित 18 माल भाड़ा गाड़ियां चलाई गईं। रोल ऑन-रोल ऑफ अभिनव सेवा चलाने के सफलतापूर्वक 14 साल पूरे कर लिए हैं और कॉर्पोरेशन इस यातायात से 50.07 करोड़ रुपए का उच्चतम राजस्व अर्जित किया है। प्रारंभिक लोडिंग में यह रेलवे प्रणाली लाभदायक बनाने के लिए एक सबसे महत्वपूर्ण पैरामीटर है। वर्ष 2011-12 के दौरान 2.4 मिलियन टन की तुलना में 3,28 मिलियन टन रहा है। लाइन क्षमता में सुधार करने के लिए कोलाड, सिंधुदुर्ग और बाल्ली में भी और तीन लूप लाइन जोड़ी गई थी।

3) **परियोजनाएं**

i) ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक (यू.एस.बी.आर.एल.) परियोजना -

वर्ष 2012-13 के दौरान 4.13 कि.मी. सुरंग के कार्य पूरे किए गए जो एक वर्ष में आज तक की सर्वोत्तम प्रगति है। 28 कि.मी. सुरंग लंबाई के लिए 14 सुरंगों का कार्य प्रगति पर है। अभी तक 7 सुरंगों के कार्य पूरे किए गए हैं जिसमें चालू वर्ष 2012-13 में 4 सुरंगों के कार्य पूरे किए गए हैं। संचयी आधार पर 18.82 किलोमीटर सुरंग खुदाई का कार्य पूरा किया गया है। चिनाब नदी पर विशेष पुल का निर्माण कार्य प्रगति पर है। वर्ष 2012-13 के दौरान ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक (यू.एस.बी.आर.एल.) परियोजना में अभी तक का 329 करोड़ रुपए का सबसे अच्छा कारोबार हासिल किया है। कुल अनुमानित 3382 करोड़ रुपए में से 1756 करोड़ रुपए संचयी कारोबार हासिल किया गया।

ii) टक्कर रोधी उपकरण (ए.सी.डी.)

3) कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे पर जून, 2007 में अपने प्रारंभ से ए.सी.डी. प्रणाली का अनुरक्षण कर रहा है। सुधारित ए.सी.डी. सॉफ्टवेयर संस्करण 1.1.2 को इलेक्ट्रॉनिक्स परीक्षण तथा विकास केंद्र (ई.टी.डी.सी.)चेन्नई द्वारा सफलतापूर्वक वैधीकृत किया गया है। सुधारित ए.सी.डी. सॉफ्टवेयर का तिनसुकिया मंडल पर भी परीक्षण किया गया है और संपूर्ण पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के लिए इसे 'आगे बढ़ाने' की आर.डी.एस.ओ. से प्रतीक्षा है।

ख) अब टी.सी.ए.एस.(गाड़ी टक्कर परिहार प्रणाली) आर.डी.एस.ओ. द्वारा एस.पी.ए.डी. (खतरे का सिगनल पार करना) की विशेषताओं को शामिल करने और बहु विक्रेता परस्पर कार्यक्षमता सुविधाओं के साथ गति नियंत्रण के माध्यम से रोकथाम के लिए विकसित किया जा रहा है। इस स्थिति को देखते हुए कॉर्पोरेशन ने ए.सी.डी. वर्शन-2 के अगले विकास के लिए कोई पहल नहीं की है।

4. भू- संरक्षा कार्य :-

कॉर्पोरेशन ने मानसून में भी बेहतर गति लाने, ट्रैक को सुरक्षित बनाने तथा कटिंगों को मजबूत बनाने के लिए वर्ष 2012-13 के दौरान भू-संरक्षा कार्य पर 26.02 करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

5. भविष्य के दृष्टिकोण:

प्रारंभिक यातायात में सुधार करने के लिए, कॉर्पोरेशन का रोल ऑन-रोल ऑफ सेवाएं (रो-रो) बढ़ाने और पोर्ट कनेक्टिविटी परियोजनाएं शुरू करने का प्रस्ताव है।